समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Monday, 21 September 2026

नाशिक पुलिस का बड़ा कदम : Dwarka जंक्शन के नीचे पार्किंग स्पेस बनाने की मांग, NHAI को भेजा प्रस्ताव

Publisher

Published on 30 Oct 2025

नाशिक। महाराष्ट्र के नाशिक शहर में ट्रैफिक की समस्या लगातार बढ़ती जा रही है, खासकर Dwarka जंक्शन के आसपास। यह इलाका शहर का सबसे व्यस्त ट्रैफिक पॉइंट माना जाता है, जहां रोजाना हजारों वाहन गुजरते हैं। हाल ही में यहां हुई एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना ने प्रशासन और पुलिस दोनों को झकझोर दिया। इसके बाद अब नाशिक पुलिस ने बड़ा कदम उठाते हुए **राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI)** को एक पत्र भेजा है, जिसमें Dwarka जंक्शन के नीचे बने रैंप के हिस्से को **पार्किंग स्पेस** के रूप में इस्तेमाल करने की अनुमति मांगी गई है।

Dwarka फ्लाईओवर के नीचे की खाली जगह लंबे समय से उपयोग में नहीं लाई जा रही थी, जबकि आसपास के क्षेत्रों में ऑटो-रिक्शा, टैक्सी और निजी बसों की अनियमित पार्किंग ने ट्रैफिक जाम को और बढ़ा दिया है। पुलिस का मानना है कि अगर इस क्षेत्र को व्यवस्थित रूप से पार्किंग ज़ोन घोषित कर दिया जाए, तो Dwarka जंक्शन पर ट्रैफिक फ्लो बेहतर हो सकता है और दुर्घटनाओं में भी कमी आएगी।

पुलिस उपायुक्त (ट्रैफिक) ने जानकारी देते हुए बताया कि NHAI को लिखे गए प्रस्ताव में करीब **100 मीटर लंबी खाली जगह** को ऑटो और टैक्सी पार्किंग के लिए उपयोग करने की सिफारिश की गई है। इसके तहत एक व्यवस्थित पार्किंग योजना बनाई जाएगी, जिससे सड़क किनारे वाहनों के खड़े होने की समस्या को कम किया जा सके।

उन्होंने कहा कि “Dwarka जंक्शन शहर का सबसे महत्वपूर्ण कनेक्शन प्वाइंट है, जहां से धुले, मुंबई और पुणे की दिशा में जाने वाले वाहन गुजरते हैं। ऐसे में यहां ट्रैफिक अनुशासन बनाना बेहद ज़रूरी है। रैंप के नीचे पार्किंग की व्यवस्था होने से सड़क किनारे खड़े वाहनों की वजह से होने वाली दुर्घटनाओं को रोका जा सकेगा।”

यह भी बताया जा रहा है कि पुलिस ने नाशिक महानगरपालिका (NMC) को भी सुझाव दिया है कि शहर के Tapovan क्षेत्र में

निजी बसों के लिए पार्किंग स्थल निर्धारित किए जाएं। इस कदम से Dwarka और आसपास के इलाकों में यातायात का दबाव कम होगा और जाम की समस्या से राहत मिलेगी।

स्थानीय निवासियों और व्यापारियों ने भी पुलिस की इस पहल का स्वागत किया है। उनका कहना है कि Dwarka जंक्शन पर रोज़ाना घंटों जाम की स्थिति बनी रहती है, खासकर शाम के समय जब ऑटो और टैक्सी चालक सवारियों की तलाश में सड़क पर वाहन खड़े कर देते हैं। इससे न केवल ट्रैफिक बाधित होता है, बल्कि पैदल यात्रियों को भी खतरा रहता है।

हाल में हुई एक दुर्घटना में एक पैदल यात्री की मौत के बाद यह मुद्दा और गंभीर हो गया। पुलिस के इस प्रस्ताव को कई सामाजिक संगठनों और यातायात विशेषज्ञों का समर्थन मिल रहा है। उनका मानना है कि शहरी ट्रैफिक को नियंत्रित करने के लिए '**माइक्रो-लेवल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट**' यानी स्थानीय स्तर पर स्मार्ट सॉल्यूशंस की जरूरत है, और Dwarka पार्किंग प्रस्ताव उसी दिशा में एक सकारात्मक कदम है।

NHAI अधिकारियों ने बताया कि पुलिस का प्रस्ताव विचाराधीन है और जल्द ही इसका सर्वे कराया जाएगा। यदि तकनीकी रूप से यह संभव पाया गया, तो रैंप के नीचे पार्किंग जोन बनाने की अनुमति दी जा सकती है। साथ ही, सड़क सुरक्षा के लिए आवश्यक सिग्नलिंग और बैरिकेडिंग की भी व्यवस्था की जाएगी।

यह पहल नाशिक शहर के लिए एक '**मॉडल ट्रैफिक मैनेजमेंट प्रोजेक्ट**' साबित हो सकती है। पुलिस के अनुसार, अगर यह प्रयोग सफल रहता है, तो शहर के अन्य जाम वाले इलाकों जैसे मुंबई-नाका और अडगांव बायपास पर भी इसी तरह की पार्किंग व्यवस्था लागू की जाएगी।

इस योजना से न केवल ट्रैफिक का दबाव घटेगा, बल्कि शहर की सुंदरता और अनुशासन भी बरकरार रहेगा। Dwarka जैसे भीड़भाड़ वाले क्षेत्र में अगर यह योजना सफल होती है, तो नाशिक का ट्रैफिक मॉडल देश के अन्य शहरों के लिए एक उदाहरण बन सकता है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.